लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2878
20 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र और परिधान इकाइयों का पुनर्गठन

2878. श्री रामचरण बोहरा:
डॉ. टी.आर. पारिवेन्धर:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को वस्त्र और परिधान इकाइयों के पुनर्गठन हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि भारत में वस्त्र और परिधान क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से अभूतपूर्व वित्तीय संकट का सामना कर रहा है और लगभग 25-30 प्रतिशत वस्त्र और परिधान इकाइयां पूंजी की समस्या/कमी का सामना कर रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस वस्त्र क्षेत्र और कर्मचारियों को बचाने के लिए क्या उपचारात्मक उपाय किए जा रहे है या किए जाने का विचार है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान उद्योगों को आबंटित की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या यह भी सच है कि लगभग 45 मिलियन लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है और लगभग 60 मिलियन लोग संबद्ध उद्योगों में नियोजित हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) से (घ): भारत सरकार वस्त्र क्षेत्र से संबंधित विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई योजनाएं/पहलें क्रियान्वित कर रही है। प्रमुख पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना शामिल है, जिसका उद्देश्य प्लग एंड प्ले सुविधाओं सहित एक आधुनिक, एकीकृत बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय औद्योगिक बुनियादी ढांचा तैयार करना है, जो निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में मदद करेगा; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एमएमएफ फैब्रिक, एमएमएफ परिधान और तकनीकी वस्त्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार एवं विकास, संवर्धन तथा बाजार विकास, कौशल और निर्यात संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; समर्थ – वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना, जिसका उद्देश्य मांग आधारित, प्लेसमेंट उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करना है; बेंचमार्क वस्त्र मशीनरी में पात्र निवेश के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्नयन और आधुनिकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए एटीयूएफएस; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए सिल्क समग्र-2; हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों के लिए शुरू से अंत तक सहायता के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) आदि शामिल हैं।

वस्त्र और अपैरल इकाइयों के पुनर्संरचना के लिए कोई विशेष प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

निधियों का आबंटन योजना-वार किया जाता है न कि उद्योग-वार।

वस्त्र उद्योग देश में रोजगार सृजन का सबसे बड़ा स्रोत है जिसमें प्रत्यक्ष रूप से 45 मिलियन से अधिक लोग नियोजित हैं। राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरे नहीं रखे जाते हैं।

***